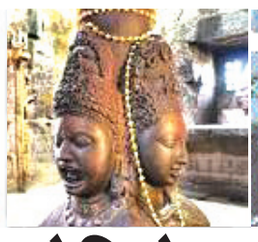

सदगुरू नेत्र चिकित्सालय में मनाया गया रेटिनो ब्लास्टोमा जागरूकता सप्ताह

बच्चों की आँख में होने वाले कैंसर रोग के बारे में लोगों को किया गया जागरूक

▶ पुतली में सफेदी, तिरछापन व आंख में दिखे लालपन तो तुरंत अपने बच्चों को दिखाएं नेत्र चिकित्सक को : डॉ नरेंद्र पाटीदार

नवभारत न्यूज

चित्रकूट 21 मई, परम पूज्य संत रणछोड़ दास जी महाराज द्वारा स्थापित विश्व ख्याति प्राप्त श्री सदगुरू नेत्र चिकित्सालय जानकीकुंड चित्रकूट में रेटिनो ब्लास्टोमा जागरूकता सप्ताह मनाया गया, अर्थात आँख में होने वाले कैंसर रोग विश्व जागरूकता सप्ताह मनाया गया।

सद्गुरु नेत्र चिकित्सालय के ट्रस्टी एवं डायरेक्टर, डॉ इलेश जैन एवं मेडिकल सुप्रिंटेंडेंट डॉ अलोक सेन और ऑक्यूलो प्लास्टी के विभाग प्रमुख डॉ नरेंद्र पाटीदार के मार्गदर्शन में यह रेटिनो ब्लास्टोमा% जागरूकता सप्ताह मनाया गया। रेटिनो ब्लास्टोमा (आंख के पर्दे का कैंसर) से जागरूकता के लिये लोगो को पोस्टर, पम्प्लेट, फोटोबूथ, एवं रंगोली,रैली आदि जनजागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया गया, साथ ही आंख में होने वाली इस गंभीर बीमारी के सामान्य लक्षण जैसे कि बच्चे की आँख की पुतली में सफेदी, आँख में तिरछापन, लालपन जैसे आदि लक्षण के बारे में लोगों को जानकारी दी गई।

वहीं विभाग प्रमुख डॉ नरेंद्र पाटीदार ने जानकारी देते हुए बताया कि %यदि किसी बच्चों के आंख में ये समान्य लक्षण दिखाई देते है तो उनके परिजनों को तुरंत नेत्र चिकित्सक से परामर्श करना चाहिए जिससे ये सामान्य लक्षणों के रहते रेटिनो ब्लास्टोमा की पहचान कर समय से इलाज शुरू कर बच्चों की आंख एवं जान दोनो बचाई जा सकती है।

वहीं निदेशक डॉ इलेश जैन के अनुसार यदि लक्षण दिखाई दे तो बिना देर किये अस्पताल आकर बच्चों की आँखो की जाँच अवश्य कराये जाँच व इलाज में विलम्ब %या लापरवाही के गंभीर परिणाम हो सकते है क्यों कि इससे बच्चों की जान के साथ-साथ आँख भी बचाने का प्रयास किया जा सकता है। बच्चों की आंखों में होने वाली इस गंभीर बीमारी की पहचान इलाज एवं जन जागरुकता के लिये परिक्रमा मार्ग मे रैली का आयोजन किया गया रैली को महिला समिति की अध्यक्षा ऊषा बी जैन, डॉ कुलदीप श्रीवास्तव , डॉ आलोक सेन, डॉ राजेश जोशी, डॉ राकेश शाक्य, डॉ गौतम सिंह परमार आदि नेत्र चिकित्सकों ने इस जनजागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और इस रैली के माध्यम से लोगों को रेटिनो ब्लास्टोमा के लक्षण पहचान एवं इलाज आदि के लिये जागरूक किया गया।

इन जनजागरूकता कार्यक्रमों डॉ यशोधरा, डॉ पलक पटवा, डॉ पलक जैन ,डॉ देविका, डॉ ध्रुव, ललित लखेरा, सुनील वर्मा, श्याम बिहारी, गौरव पाण्डेय, माया मिश्रा,ममता यादव, , सुशील एवं विष्णु सहित समस्त आक्लो प्लास्टी विभाग कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जेहि बिधि होई नाथ हित मोरा, करिय सो बेगि दास मैं तोरा

नवभारत न्यूज

उचेहरा 21 मई, जनपद पंचायत उचेहरा के अंतर्गत आने वाले ग्राम पोंड़ी गरादा में चल रही नौ दिवसीय संगीतमय श्रीराम कथा के तृतीय दिवस में कथा वक्ता पंडित अरुणेश मिश्रा जी के द्वारा नारद मोह का प्रसंग प्रस्तुत किया गया .

कथा वक्ता नें कहा कि जो अहंकार का बीज मन में अंकुरित होता है वह हर प्रकार से जीवन को परेशान करता है साथ ही समाज में बदनामी के लिये रास्ते बनाता है ,अतः अहंकार से निरंतर बचना चाहिये ,हम कुछ भी कार्य करें उसे परमात्मा को समर्पित करके करें तो हमें अपने कर्तापन का अहंकार नहीं होगा , विदित.हो कि यह कथा 26 मई तक निरंतर चलती रहेगी ,जिसमें भगवान राम के दिव्य चरित्रों का वर्णन होता रहेगा , कथा में पधारकर पुण्यलाभ अर्जित करने का निवेदन आयोजक समिति द्वारा किया गया है।

मनुष्य को सुसंस्कृत बनाने का विज्ञान संस्कृति : श्रीमद जगतगुरु

नवभारत न्यूज

कोटर 21 मई, ग्राम हाटी कुशियरा की पावन भूमि में वेदमन्त्रों की सुमधुर ध्वनि में श्री विष्णु महायज्ञ में आहुति एवं कल - कल बहती श्रीमद भागवत ज्ञान गंगा के चतुर्थ दिवस पर रामजानकी शक्तिपीठ पुरानीलंका चित्रकूट पीठाधीश्वर रामानुजाचार्य श्रीमद जगतगुरु जी महाराज अपने आशीर्वचन में भारतीय संस्कृति को सबसे प्राचीन बताया और कहा कि यह संस्कृति सभी संस्कृतियों की माता है।

श्री स्वामी जी ने कहा कि प्राचीनकाल में ईसा से पूर्व ही धर्म, कला, नीति, सभ्यता वा संस्कृति के क्षेत्र में भारत की ख्याति समूची दुनियां में फैल चुकी थी। भारतीय संस्कृति मनुष्य को सुसंस्कृत एवं मानवीय चेतना को परिष्कृत बनाने का विज्ञान है। संस्कृति ज्ञान-विज्ञान की प्रक्रियाओं व परम्पराओं को जन्म देती है। आज के दौर में भी भारत ही नहीं समूची विश्व सभ्यता को इसकी आवश्यकता है। हां जरूरत बस इतनी है कि विभिन्न सामाजिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक मंचों में भारतीय संस्कृति का युगानुरूप प्रस्तुतीकरण हो। जिससे कि प्राचीन ऋषियों की शिक्षण व संस्कार परंपरा फिर से अपना ओजस अर्जित कर सके।

कथा श्रवण में ये रहे उपस्थित

आज की कथा एवं यज्ञ में शामिल होने वाले प्रमुख श्रद्धालुजनों में संत भागवत दास गोलू पयासी मोलाराम तिवारी बबलू सम दरिया , हितेश तिवारी , पवन शुक्ला , सावित्री सिंह सरपंच राम अनुग्रह तिवारी दीपक तिवारी शिवम तिवारी राम हृदय द्विवेदी जगदीश शुक्ला जयप्रकाश सिंह शिवम तिवारी उमेश तिवारी रामलाल तिवारी वंदना तिवारी संध्या तिवारी सहित हजारों की तादाद में भक्तों ने कथा श्रवण किया ,आगे जानकारी देते हुए अफसर सकरिया ने बताया की कल भगवान श्री कृष्ण का जन्म बड़े धूमधाम से मनाया जाएगा .

विवि परीक्षा के बीच सत्र में बदले गए प्रभारी

नवभारत न्यूज

अमरपाटन 21 मई, अवधेश प्रताप विश्वविद्यालय रीवा की स्नातक परीक्षाएं सुचारू रूप से संचालित हो चुकी हैं.

परीक्षाओं का सुचारू रूप से संचालन विगत चार वर्षो से शासकीय महाविद्यालय अमरपाटन में डॉ सुबोध शुक्ल द्वारा किया जा रहा था, लेकिन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ शिवकुमार वर्मा ने एक बार फिर बीच सत्र में समिति मैं फिर बदला करते हुए 4 महीने पहले जॉइन नवनियुक्त सहायक प्राध्यापक प्रोफेसर आदर्श द्विवेदी को परीक्षा की कमान सौप दी है जिन्हें अभी इस विषय पर किसी भी प्रकार की कोई जानकारी नहीं है। इसी प्रकार आए दिन परीक्षा में अधीक्षक, सहायक अधीक्षकों का भी फेरबदल होता रहता है। समझने की बात यह है कि प्राचार्य क्या इतने अनभिज्ञ हैं या उन्हें अपने नियुक्त कर्मचारियों पर बिल्कुल भी यकीन नहीं है शायद इसीलिए वह आए दिन इस प्रकार के फेरबदल करते रहते हैं।

प्राचार्य पर वित्तीय अनियमिता का भी आरोप

विगत सत्र में महाविद्यालय के प्राचार्य द्वारा खेल एवं स्टेशनरी पर गोलमोल तरीके से लाखों की खरीदारी की गई। अकेले खेल विभाग में लगभग 5 लख रुपए की खरीदारी रीवा के एक प्रसिद्ध स्पोर्ट दुकान से की गई जिसका ना तो टेंडर निकाला गया और ना ही कोटेशन मंगवाए गए। बाजार मूल्य से अधिक पैसे में सामग्री का क्रय कर लाखों रुपए का गोलमाल किया गया।

कच्छप गति से हो रहा है बिरहुली रेलवे ओवर ब्रिज का निर्माण : रामशंकर

नवभारत न्यूज

कोटर 21 मई, सिमरिया मार्ग पर बिरहुली यार्ड में रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण कार्य को नवंबर 2025 में पूरा हो जाना चाहिए था लेकिन निर्धारित समय विधि के 6 में बाद भी न सिर्फ निर्माण कर लटका हुआ है बल्कि उसमें अपेक्षित गति भी नजर नहीं आ रही है.

रेलवे से जुड़े इस प्रोजेक्ट में हो रही लेट - लतीफी के कारण एक ओर जहां रेलवे की छवि प्रभावित हो रही है वहीं दूसरी ओर स्थानीय वासियों को समस्या कई गुना अधिक बढ़ गई है । स्थानीय रह वासियों के अनुसार रेलवे

ओवरब्रिज का निर्माण नहीं होने के कारण राहगीरों को 8 किलोमीटर का अतिरिक्त सफर तय करना पड़ता है इतना ही नहीं बल्कि इस दौरान नैना - सगमनिया मार्ग के खस्ता हाल होने के कारण उन्हें काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है स्थानीय वासी पिछले काफी समय से इस रेलवे ओवर का निर्माण कार्य पूरे होने का इंतजार करते आ रहे हैं लेकिन जिस गति से निर्माण कर जारी है उसे देखते लग रहा है कि अगले दो वर्ष तक और इंतजार करना पड़ेगा लिहाजा इस लंबे होते इंतजार और रोजमर्रा की समस्याओं के चलते क्षेत्रीय जनता में काफी आक्रोश बढ़ता जा रहा है पूर्व विधानसभा प्रत्याशी रामशंकर पयासी ने मांग की है कि अधूरे कार्य को जल्द से जल्द पूरा कराया जाए नहीं तो कांग्रेस पार्टी आंदोलन के लिए बाध्य होगी जिसकी जवाबदारी प्रशासन की होगी।

आरबीआई ने किया वित्तीय साक्षरता अभियान का आयोजन

मैहर 21 मई, ग्राम पंचायत नारायणपुर, रामनगर, मैहर में भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) द्वारा वित्तीय साक्षरता अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण नागरिकों को बैंकिंग सेवाओं, डिजिटल भुगतान, साइबर सुरक्षा एवं बचत की महत्ता के प्रति जागरूक करना था।

इस अवसर पर ऋछ्ठ के प्रबंधक धीरज गुप्ता (प्रबंधक)एवं अंकुश सिन्हा(प्रबंधक) मुख्य अतिथि के रूप में एवं श्री रवि रंजन रवि, अग्रणी जिला प्रबंधक, मैहर उपस्थित रहे।

उन्होंने ग्रामीणों को सुरक्षित बैंकिंग, डिजिटल लेन-देन एवं विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ लेने हेतु प्रेरित किया तथा वित्तीय जागरूकता से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर इंडियन बैंक के अधिकारी एवं कर्मचारीगण भी उपस्थित रहे तथा ग्रामीणों को बैंकिंग सुविधाओं एवं योजनाओं की जानकारी दी गई।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे एवं उन्होंने वित्तीय साक्षरता से संबंधित जानकारी प्राप्त की।

मुख्यालय का नजदीकी तीर्थ बांकेसिद्ध उपेक्षित और बदहाल

▶ बुंदेली सेना नें अधूरी सड़क बनवाने और पर्यटन विकास की जिलाधिकारी से की मांग

नवभारत न्यूज

चित्रकूट 21 मई, जिस स्थल में पहुंचकर स्वयं प्रभु श्री राम ने सिद्ध बाबा को दर्शन दिएए जहां आज भी हजारों वर्ष पूर्व के भित्ति चित्र मौजूद हैं जो 84 कोसी और पंचकोसी परिक्रमा का मार्ग है .

वह मुख्यालय का नजदीकी तीर्थ बांकेसिद्ध बदहाल है बुंदेली सेना नें जिलाधिकारी से बाँकेसिद्ध का पर्यटन विकास कराने की मांग की है मुख्यालय से लगभग 6 किमीण्दूर स्थित यह स्थल हवाई पट्टी के ठीक नीचे स्थित है कलेक्ट्रेट मार्ग से गणेशबाग.सिद्धपुर होते हुए बांकेसिद्ध पहुंचा जा सकता है सिद्धपुर से बांकेसिद्ध तक 3 किमीण्सड़क तो लोक निर्माण विभाग नें बनाया लेकिन लगभग 3 सौ मीटर मार्ग अधूरा छोड़ दिया है कई एक बार मुख्यमंत्री पोर्टल में मांग हुई तो विभाग नें बजट का रोना सुनाकर पल्ला झाड़ लियाकलेक्ट्रेट मार्ग से बांकेसिद्ध तक चौड़ा और सुगम रास्ता बना दिया गया होता बांकेसिद्ध की सीढ़ियां नई और रेलिंगदार बना दी गई होतीं यहां यात्री शेड होते और देवांगना मार्ग से हवाई पट्टी की बाउंड्री किनारे से रास्ता बना दिया गया होता तो शायद यह स्थल पर्यटन का बड़ा हब होता वर्षभर में हजारों तीर्थयात्री इसी ऊबड़ खाबड़ रास्ते से पंचकोसी परिक्रमा करते हैं वर्ष में एक बार हजारों साधु.संत इसी मार्ग से चौरासी कोसी परिक्रमा करते हैं बावजूद इसके बांकेसिद्ध उपेक्षित और बदहाल है यहां हजारों वर्ष पुराने भित्ति चित्रों की भरमार है साथ ही यहां की गुफाओं में आध्यात्मिक ऊर्जा का संचरण हो रहा है बावजूद इसके ना तो कभी पर्यटन विभाग ने यहां के विकास की योजना बनाई ना ही पुरातत्व विभाग ने यहां के भित्ति चित्रों के संरक्षण का खाका खींचा स बुंदेली सेना नें जिलाधिकारी पुलकित गर्ग से अधूरी सड़क बनवाने और उपेक्षित और बदहाल बाँकेसिद्ध आश्रम के पर्यटन विकास की मांग की है

गौरक्षा सभी का कर्तव्य, सनातन के लिए गौ माता हैं शुभ : डॉ श्यामसुंदर पारासर

नवभारत न्यूज

चित्रकूट 21 मई, भागवत कथा में पंचम दिवस पर कथा व्यास डॉ. श्याम सुंदर पाराशर महाराज ने कहा इस पृथ्वी पर जब भी अन्याय अत्याचार बढ़ता है। पृथ्वी भगवान के पास जाकर करुण पुकार करती हुई अत्याचारियों की व्यथा का वर्णन करती है भगवान गौ माता की पुकार सुनकर अभिलंब अवतार ग्रहण करते हैं।

आज देश में गाय जो अनाथ की तरह घूम रही है हम उनकी तब तक देख-रेख करते हैं जब तक वह दूध देती है जैसे ही उन्होंने दूध देना बंद कर दिया कि हम उन गायों को खुला छोड़ देते हैं। एक मां जो जन्म के बाद हमें दूध पिलाकर बड़ा करती है और दूसरी मां गाय जो हमें जीवन भर दूध पिला कर हमारा पोषण करती है और हम उसे अनाथों की तरह त्याग देते हैं। सनातन धर्म को धारण करने वाले सात स्तंभ हैं, जिनमें सबसे पहले नाम गौ माता का आता है इसलिए सनातन धर्म का प्रत्येक कर्म गाय से ही प्रारंभ होता है पहले धन की तुलना गोवर्धन से होती थी विवाह में लग्न भी गोधूलि बेला होती है एक संत को एक स्थान पर कब तक रहना चाहिए जब तक एक गाय दुह ली जाए इसलिए गौ माता की रक्षा करना हम सभी का कर्तव्य है। आगे कथा में भगवान की बाल लीला का वर्णन करते हुए कहा भगवान ने कृष्ण

लीला में सभी गोपी ग्वालों का मनोरथ पूर्ण किया। अपनी बाल लीलाओं से क्यों की ब्रज के जितने भी गोपी ग्वाल है सभी बड़े-बड़े तपस्वी संत ही ठाकुर की ब्रिज लीला का आनंद लेने ब्रज में गोपी ग्वाल बनकर आए हैं। जब भक्त भगवान को प्राप्त करने के लिए अथक परिश्रम करता है और उस पर भगवान कृपा करते हैं, तभी वह भगवान को प्राप्त कर सकता है। जीव परिश्रम और भगवत कृपा का योग जब बनता है तभी परमात्मा साकार रूप में आकर हम पर कृपा बरसाते हैं। भगवान ने ब्रजलीला करते हुए हमें संदेश दिया है कि दूध का जल का और फल का ज्यादा संग्रह नहीं करना चाहिए कृष्ण लीला में तीनों का संग्रह को मुक्त कराया। गोपियों के माखन दूध चुराकर उनका कल्याण किया फल का संग्रह करने वाले धेनु का सर की बात कर फल मुक्त कर बृजवासियों को खिलाएं। काली नाग का मर्दन करके जल को भी शुद्ध किया पर आज भी कई नाग हमारी यमुना मैया के जल को प्रदूषित कर रहे हैं।

हमें जागृत होकर अपनी प्राण दयानी गंगा जमुना को दूषित होने से बचने का प्रयास करना होगा। भगवान ने ब्रिज लीला में सभी का अभिमान तोड़ा ब्रह्मा जी को सृष्टि करता पानी का अभिमान हुआ तो भगवान की परीक्षा लेने के लिए भगवान के बृजवासी गायों को चुराकर अपने लोक में ले गए पर भगवान ने अपनी लीला से स्वयं बृजवासी और गाय बनाकर एक साल तक लीला करी तो ब्रह्मा जी का अभिमान टूटा। इंद्र को अभिमान हुआ तो मूसलाधार पानी बरसाकर भगवान को बृजवासियों सहित बहाना चाहा तो भगवान ने गोवर्धन धारण कर सात दिन सात रात तक अपने बृजवासियों की रक्षा करी और गिरधारी बन गए। कथा में विश्राम में छप्पन भोग ठाकुर जी को लगा। श्रीमंत राघव दास महाराज मचखेड़ा आश्रम महंत हनुमान मंदिर लोड़वारा पंजाबी भगवान से हरि नारायण दास सुदामा दास महाराज मुख्य यजमान अरुणा मिश्रा, महेन्द्र मिश्र छाया, नलज मिश्र, आनंद मिश्र(डीसीपी, दिल्ली), आलोक दुबे (एडिशनल एस पी, मेरठ), दीपा, अभिषेक मिश्र, नेहा, मधुरेश, जगदीश प्रसाद गौतम वरिष्ठ भाजपा नेता राजेंद्र त्रिपाठी रवि गुप्ता, छोटा सहित अन्य भक्तगण मौजूद रहे।

उचित मूल्य दुकान महेदर में अनियमितता पर विक्रेता से 9 .80 लाख रूपये की वसूली

नवभारत न्यूज

मैहर 21 मई, कलेक्टर मैहर श्रीमती बिदिशा मुखर्जी के निर्देशन में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) मैहर दिव्या पटेल द्वारा शासकीय उचित मूल्य दुकान महेदर में खाद्यान्न गड़बड़ी के मामले में कार्रवाई करते हुए संबंधित विक्रेता शारदा प्रसाद तिवारी से 9 लाख 80 हजार 525 रूपये की वसूली के आदेश जारी किए गए हैं।

शासकीय उचित मूल्य दुकान महेदर का संचालन बहुउद्देशीय सेवा सहकारी समिति घुनवारा द्वारा किया जा रहा था। जिसे निलंबित कर 1 मई 2026 को कान्हा आजीविका स्व-सहायता समूह मतवारा से संबद्ध किया गया था। विक्रेता द्वारा स्व सहायता

समूह को दुकान का प्रभार सौपते समय पीओएस मशीन में उपलब्ध स्टाक एवं भौतिक स्टाक में अंतर पाया गया। इसके अनुसार मतवारा समूह को 121 क्विंटल गेहूं, 157 क्विंटल चावल, 0.82 क्विंटल शक्कर और 4.39 क्विंटल नमक का भौतिक स्टाक नहीं सौपा गया। एसडीएम ने खाद्यान्न के बाजार पर संबंधित विक्रेता के विरूद्ध 9 लाख 80 हजार 525 रूपये वसूली निकालते हुए 7 दिवस के भीतर राशि जमा करने के निर्देश दिये हैं।

सनातन आस्था, साधना और आत्मशुद्धि का पावन पर्व है पुरुषोत्तम मास : महंत दिव्य जीवन दास महाराज

भगवान श्रीराम की तपोभूमि चित्रकूट के मठ मंदिरों में शुरु हुए धार्मिक अनुष्ठान

▶ मंदाकिनी के रामघाट पर स्थित भरत मंदिर में चल रहा विषेष अनुष्ठान

नवभारत न्यूज

चित्रकूट 21 मई, विश्व प्रसिद्ध पौराणिक तीर्थ चित्रकूट सहित पूरे देश में पुरुषोत्तम मास (अधिक मास) का शुभारंभ हो गया है। वैदिक ज्योतिष और सनातन धर्म में इस मास को अत्यंत पवित्र एवं पुण्यदायी माना गया है।

यह माह भगवान विष्णु को समर्पित होता है और धार्मिक मान्यता है कि इस दौरान श्रद्धा, संयम और भक्ति के साथ किए गए जप, तप, दान, व्रत और पूजन का फल कई गुना बढ़ जाता है। चित्रकूट के प्रमुख मंदिरों, आश्रमों और देव गंगा मंदाकिनी के घाटों पर सुबह से श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली। दिगम्बर अखाड़ा के महंत दिव्य जीवन दास महाराज ने इसे आत्मशुद्धि, सेवा और प्रभु भक्ति का श्रेष्ठ अवसर बताया है।

चित्रकूट के प्रमुख संत एवं दिगम्बर अखाड़ा के महंत दिव्य जीवन दास महाराज बताते हैं कि हिंदू पंचांग चंद्र गणना पर आधारित है, जबकि सौर वर्ष और चंद्र वर्ष में लगभग 11 दिनों का अंतर रह जाता है। इसी अंतर को संतुलित करने के लिए लगभग 32 महीने 16 दिन बाद एक अतिरिक्त मास जोड़ा जाता है। यही अधिक मास आगे चलकर "पुरुषोत्तम मास" कहलाया। महंत ने बताया कि पुराणों के अनुसार पहले इस

मास को "मलमास" कहा जाता था और इसे शुभ कार्यों के लिए उपयुक्त नहीं माना जाता था। तब भगवान विष्णु ने इसे अपना नाम "पुरुषोत्तम" प्रदान कर सर्वोच्च सम्मान दिया। तभी से यह मास भगवान विष्णु की विशेष आराधना का काल माना जाने लगा।

उन्होंने बताया कि धर्मग्रंथों में पुरुषोत्तम मास को मोक्षदायी, पाप-नाशक और पुण्यवर्धक बताया गया है।मान्यता है कि इस माह में किया गया दान अक्षय फल देता है।श्रीमद्भागवत, गीता, रामचरितमानस और विष्णु सहस्रनाम पाठ विशेष फलदायी होता है। देव गंगा मंदाकिनी में स्नान और दीपदान से मानसिक शांति एवं आध्यात्मिक ऊर्जा प्राप्त होती है।संयमित जीवन और सत्कर्मों से भगवान विष्णु की कृपा प्राप्त होती है।इस माह में प्रभु विष्णु की आराधना करें।प्रतिदिन प्रातः स्नान कर भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा करें। तुलसी दल अर्पित करना अत्यंत शुभ माना गया है। ओम नमो भगवते वासुदेवाय" मंत्र का जाप मन को शांति और सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करता है।गरीबों को अन्न, वस्त्र, जल, फल और गौसेवा का विशेष महत्व बताया गया है।रामचरितमानस, सुंदरकांड, विष्णु पुराण और भगवद्गीता का पाठ लाभकारी माना गया है।सादा भोजन, संयमित दिनचर्या और सदाचार इस मास की मूल भावना मानी जाती है।मांस, मदिरा और नशे से दूर रहें।क्रोध, अपशब्द, झूठ और विवाद से बचें।तामसिक भोजन और नकारात्मक विचारों से दूरी रखें।विवाह, गृहप्रवेश और अन्य मांगलिक कार्य इस मास में नहीं किए जाते।महंत दिव्य जीवन दास महाराज ने बताया कि

महंत दिव्य जीवन दास महाराज का कहना है कि पुरुषोत्तम मास केवल धार्मिक अनुष्ठानों का पर्व नहीं, बल्कि आत्ममंथन, सेवा, संयम और प्रभु भक्ति का दुर्लभ अवसर है।धर्मनगरी चित्रकूट में इसकी शुरुआत के साथ पूरे वातावरण में भक्ति और आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार दिखाई दे रहा है। श्रद्धालु पूरे माह भगवान विष्णु की आराधना कर सुख, शांति और कल्याण की कामना करेंगे।